

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 24 September 2026

भारतीय महिला क्रिकेट में हाईवोल्टेज ड्रामा, हरमनप्रीत कौर ने हरलीन देओल पर जोरदार चिल्लाया

Publisher

Published on 13 Oct 2025



भारतीय महिला क्रिकेट टीम के मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाईवोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। कप्तान हरमनप्रीत कौर और हरलीन देओल के बीच मैदान पर तकरार हो गई। मैच के दौरान गुस्से में हरमनप्रीत ने जोरदार तरीके से हरलीन पर चिल्लाया, जिससे टीम के भीतर तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई।

मैच की शुरुआत से ही भारतीय टीम का प्रदर्शन मिश्रित रहा। कुछ खिलाड़ियों ने शानदार खेल दिखाया, तो कुछ खिलाड़ियों की गलतियों ने टीम को मुश्किल में डाल दिया। इसी बीच हरलीन देओल ने एक महत्वपूर्ण गेंद पर गलती की, जिस पर हरमनप्रीत कौर का गुस्सा फूट पड़ा। उनके चिल्लाने के बाद मैदान पर मौजूद अन्य खिलाड़ी और सपोर्ट स्टाफ भी हैरान रह गए।

हरमनप्रीत कौर की प्रतिक्रिया को मैच के दौरान कैमरों ने कैद कर लिया। यह घटना सोशल मीडिया पर भी तेजी से वायरल हुई और क्रिकेट फैस के बीच चर्चा का विषय बन गई। कई विशेषज्ञों का मानना है कि मैदान पर इस तरह के तनावपूर्ण हालात खेल के दौरान आम हो सकते हैं, लेकिन कप्तान और खिलाड़ी के बीच ऐसे विवाद से टीम की मानसिकता पर असर पड़ सकता है।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड के सूत्रों के अनुसार, टीम में तनाव के बावजूद मैच की रणनीति और खिलाड़ियों का फोकस बनाए रखना प्राथमिकता है। टीम की कप्तान के रूप में हरमनप्रीत कौर की जिम्मेदारी होती है कि वह खिलाड़ियों को सही दिशा में मार्गदर्शन दें, लेकिन इस बार उनका गुस्सा सीधे हरलीन देओल पर निकल गया।

हरलीन देओल ने इस घटना के बाद मैदान पर अपनी निराशा छुपाने की कोशिश की। उन्होंने अपनी बल्लेबाजी और फील्डिंग पर ध्यान केंद्रित किया, लेकिन स्पष्ट था कि टीम के भीतर तनाव बना हुआ था। मैच के बाद दोनों खिलाड़ियों ने मीडिया से बातचीत में इस घटना को कम महत्व देने की कोशिश की, लेकिन क्रिकेट फैस और सोशल मीडिया पर चर्चा अब भी जारी है।

विशेषज्ञों का कहना है कि टीम में कप्तान और खिलाड़ी के बीच संघर्ष होना सामान्य है, लेकिन मैदान पर इस तरह के हाईवोल्टेज

ड्रामा से टीम के प्रदर्शन पर असर पड़ सकता है। अगर कप्तान अपने गुस्से को नियंत्रित नहीं करते हैं, तो टीम का मनोबल गिर सकता है। वहीं, खिलाड़ियों को भी अपने प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित करना और मानसिक संतुलन बनाए रखना आवश्यक होता है।

इस घटना ने महिला क्रिकेट में नेतृत्व और टीम डाइनेमिक्स के महत्व को फिर से उजागर किया। कप्तान और खिलाड़ियों के बीच सही तालमेल और संवाद टीम के लिए महत्वपूर्ण होता है। टीम इंडिया की कोचिंग स्टाफ और मेंटर्स ने मैच के बाद खिलाड़ियों से बैठक कर टीम की मानसिकता और सामूहिक रणनीति पर चर्चा की। उन्होंने जोर दिया कि मैदान पर किसी भी प्रकार का व्यक्तिगत विवाद टीम के हित में नहीं है और सभी को अपने प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

मैच के दौरान हुए इस विवाद ने दर्शकों और मीडिया का ध्यान आकर्षित किया। टीवी और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इस घटना को लेकर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं आईं। कुछ फैंस ने हरमनप्रीत के गुस्से को जायज ठहराया, जबकि अन्य ने कहा कि कप्तान को अपने गुस्से को नियंत्रित करना चाहिए। कई विश्लेषकों ने टीम में सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया।

खेल विशेषज्ञों का यह भी कहना है कि मैदान पर ऐसा तनावपूर्ण दृश्य टीम के भीतर प्रतिस्पर्धा और जुनून को भी दर्शाता है। हालांकि, कप्तान और खिलाड़ियों के बीच संवाद और आपसी सम्मान बनाए रखना जरूरी है। टीम इंडिया के लिए यह एक सीखने का अवसर है कि मैच के दौरान दबाव और भावनाओं को सही दिशा में channelize करना कितना महत्वपूर्ण है।

इस हाईवोल्टेज ड्रामा के बावजूद भारतीय टीम ने मैच में अपने प्रदर्शन को संतुलित बनाए रखने की कोशिश की। कुछ खिलाड़ियों ने महत्वपूर्ण रन बनाए और महत्वपूर्ण गेंदों पर विकेट लिए, जिससे टीम की स्थिति संभाली जा सकी। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने बाद में खिलाड़ियों के साथ संवाद कर टीम की एकजुटता और रणनीति पर जोर दिया।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsoever.